आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 05.10.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश में शीघ्र पांच सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित किये जाएंगे।
- आज राष्ट्रीय डॉल्फ़िन दिवस है।
- मंकी पॉक्स की घटनाओं को देखते हुए द्वीपसमूह में भी लोगों से सतर्क रहने और एहतियाती उपाय करने को कहा गया है।
- प्रशासन के राजभाषा विभाग की ओर से कल हिन्दी पखवाड़ा का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।
- मालवाहक जहाज एम वी चुगलुम के यात्रा कार्यक्रम में संशोधन किया गया है।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश में शीघ्र पांच सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित किये जाएंगे और मेड इन इंडिया चिप पूरी दुनिया में उपलब्ध होगी। प्रधानमंत्री ने कल नई दिल्ली में कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में यह बात कही। श्री मोदी ने कहा कि भारत मोबाइल फोन के आयातक से निर्माता बन रहा है। भारत दुनिया में मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है। श्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था है। यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि फिनटैक के संबंध में भारत दुनिया के शीर्ष राष्ट्रों में शामिल है। उन्होंने कहा कि विश्वभर में डिजीटल लेन–देन में से आधा भारत में होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के लिए रिफॉर्म परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म मूल मंत्र है। श्री मोदी ने कहा कि निवेशकों का मानना है कि भारत में निवेश करने का यही सही समय है।

<><><><><><><><>

आज राष्ट्रीय डॉल्फ़िन दिवस है। इस अवसर पर उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने कहा कि डॉल्फिन दुनिया भर के समुद्रों और नदियों में पाई जाने वाली एक अत्याधिक बुद्धिमान और करिशमाई जलीय स्तनधारी है। ये आकर्षक जीव समुद्री पारिस्थितिक तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। परन्तु आज डॉल्फिन की आबादी को आवास के खत्म होने, प्रदूषण, अत्याधिक मत्स्यहरण और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर संकटों का सामना करना पड़ रहा है।

जलीय पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने और पर्यटन के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने में डॉल्फिन संरक्षण के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने पांच अक्टूबर को राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस के रूप में निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि पूरे राष्ट्र के साथ अंडमान निकोबार द्वीपसमूह भी बड़े उत्साह और आशा से तीसरा राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस मना रहा है। पर्यावरण और वन विभाग ने विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर इस दिवस के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रमों की योजना बनाई है। इस सामूहिक प्रयास का उद्देश्य उत्तरदायी व्यवहारों के द्वारा इन आकर्षक समुद्री जीवों के साथ–साथ उनके निवास स्थान की सुरक्षा को बढ़ावा देना है। उप–राज्यपाल ने सभी द्वीपवासियों से पर्यावरण और जैव–विविधता संरक्षण के क्षेत्र में एक और महत्वकांक्षी यात्रा आरंभ करने के लिए राष्ट्र के साथ एकजुट होने का आग्रह किया है। उन्होंने द्वीपसमूह में डॉल्फिन के आवासों की सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लेने को कहा।

<><><><><><><><>

मंकी पॉक्स की घटनाओं को देखते हुए द्वीपसमूह में भी लोगों से सतर्क रहने और एहतियाती उपाय करने को कहा गया है। मंकी पॉक्स के कीटाणु मानव शरीर में प्रवेश करने के बाद इसके लक्षण तेरह दिनों और कभी–कभी पांच से इक्कीस दिनों में दिखाई देने लगते हैं। संक्रमित व्यक्ति को बुखार, सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, गले सूखने जैसे लक्षण शरीर में महसूस होने लगते हैं। ऐसी बीमारी से बचने के लिए लोगों से संक्रमित लोगों से संपर्क न करने और इनके द्वारा इस्तेमाल किए गए बिस्तर या कपड़ों से भी दूर रहने को कहा गया है। दूसरो से संक्रमित व्यक्ति को दूर रखने तथा अच्छी हाथ धोने की प्रक्रिया का पालन करने को भी कहा गया है। लोगों से यह भी कहा गया है कि वे गलत और भ्रमित सूचनाएं न फैलाए। यदि किसी को भी संदिग्ध मामले दिखाई देते है, तो वे विवरण के साथ दो तीन दो एक शून्य एक पर जानकारी दे सकते हैं।

<><><><><><><><>

रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलींगटन के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल वीरेन्द्र वत्स, नौसेना के मुख्य प्रशिक्षक, निदेशक स्टाफ और छात्र अधिकारियों के एक दल ने अपने द्वीपसमूह दौरे के दौरान कल राजनिवास में उप–राज्यपाल और द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी के जोशी से मुलाकात की।

इस दौरान विभिन्न विकासीय मुद्दों विशेषकर पर्यटन, आतिथ्य, अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, ग्रीन फील्ड हवाई अड्डे, पावर प्लांट और ग्रेट निकोबार द्वीप में टाउनशिप जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

<><><><><><><><>

प्रशासन के राजभाषा विभाग की ओर से कल हिन्दी पखवाड़ा का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। टैगोर कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राजभाषा सचिव डॉ. अनिल अग्रवाल मुख्य अतिथि थे। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के उप–वन संरक्षक वीरेन्द्र चौधरी और कॉलेज की प्राचार्या मंजुलता राव सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर राजभाषा सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि द्वीपसमूह को 'क' क्षेत्र में रखा गया है, इसलिए सभी सरकारी कर्मचारियों की जिम्मेदारी है कि वे अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करें। वीरेन्द्र चौधरी ने कर्मचारियों से अपना कार्य शत–प्रतिशत हिन्दी में करने का अनुरोध किया। इससे पहले उपस्थिति का स्वागत करते हुए राजभाषा विभाग के उप–सचिव राजेन्द्र इंदवार ने पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रशासन के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, स्कूल–कॉलेज के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने भाग लिया।

<><><><><><><><>

द्वीपसमूह में नवरात्रि का त्यौहार श्रद्धाभाव और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। आज नवरात्रि का तीसरा दिन है और आज देवी की चन्द्रघंटा रूप की आराधना की जाती है। विभिन्न स्थानों पर देवी जागरण का भी आयोजन किया जा रहा है। ब्रिचगंज के श्री राम मंदिर में आज शाम साढ़े छः बजे से भगवती जागरण का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><><>

मालवाहक जहाज एम वी चुगलुम के यात्रा कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। अब यह जहाज कल शाम चार बजे कार निकोबार, चौरा और तेरेसा होते हुए कच्छाल के लिए हैडो जेट्टी से छूटेगा और संबंधित बंदरगाहों पर माल उतारने और चढ़ाने के तुरंत बाद श्री विजयपुरम लौटेगा।

माल की बुकिंग आज सुबह नौ बजे से दोपहर बारह बजे के बीच की जाएगी और जहाज पर माल चढ़ाने का कार्य आज शाम पांच बजे किया जाएगा।

<><><><><><><>

परिवहन विभाग की ओर से यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस सिलसिले में हाल ही में शहीद द्वीप के बस बेड़े में एक बड़ी बस को शामिल किया गया है। परिवहन सचिव विश्वेन्द्र ने बस को हरी झंडी दिखाते हुए बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सार्वजनिक परिवहन की भूमिका पर प्रकाश डाला।

<><><><><><><>

निकोबार ज़िले को भी आई एस ओ नौ हजार एक प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। पिछले दिनों आयोजित एक सादे समारोह में मुख्य सचिव केशव चन्द्र ने वर्चुअल रूप से निकोबार ज़िला उपायुक्त ज्योति कुमारी को प्रमाणन सौंपा। ज़िला प्रशासन द्वारा कई नई प्रणालियों को क्रियान्वित किया गया है, जिससे लोगों को सुविधाएं प्राप्त करने में आसानी हुई है और अलग–थलग पड़ने वाली चुनौतियों को भी कम किया गया है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों के लिए उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिन भावी उद्यमियों और लाभार्थियों के ऋण बैंकों की ओर से स्वीकृत किए जा चुके हैं, वे इसमें शामिल हो सकते हैं। पांच लाख रूपये तक की परियोजना वाले उम्मीदवारों के लिए पांच दिन तक और पांच लाख से ऊपर तक की परियोजना वालों के लिए यह प्रशिक्षण दस दिन का होगा। दो लाख रूपये तक वालों के लिए ये प्रशिक्षण अनिवार्य नहीं है। ऐसे उम्मीदवार जिन्हें ऋण स्वीकृति पत्र प्राप्त हो चुके हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे उद्यमी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ई डी पी प्रशिक्षण तुरंत ग्रहण करें। अधिक जानकारी के लिए ज़िला उद्योग केन्द्र या खादी ग्रामोद्योग बोर्ड से फोन पर भी संपर्क किया जा सकता है।

<><><><><><><>